खबर संक्षेप

कल कामाख्या के लिए रवाना होंगे 196 तीर्थयात्री

मण्डला। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के अंतर्गत मंडला जिले के 196 वरिष्ठ नागरिक 11 जुलाई से 16 जुलाई 2026 तक कामाख्या शक्तिपीठ तीर्थ यात्रा पर जाएंगे। यात्रा के लिए चयनित यात्रियों में 4 अनुरक्षक सहित कुल 196 हितग्राही शामिल हैं। यात्रा पर जाने वाले सभी तीर्थयात्रियों को 11 जुलाई 2026 को दोपहर 3 बजे जिला योजना भवन, मंडला से विशेष वाहन के जरिए नैनपुर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जायेगा। इसके पश्चात वे नैनपुर रेलवे स्टेशन से यात्रा के लिए प्रस्थान करेंगे। जिला प्रशासन ने सभी चयनित हितग्राहियों से निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर यात्रा में सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

संभावित अतिवृष्टि संबंधी जिला स्तरीय समीक्षा बैठक 11 जुलाई को

मण्डला। अतिवृष्टि एवं संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 11 जुलाई को प्रातः 11 बजे कलेक्टर कार्यालय, मंडला के गोलमेज सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में लोक निर्माण विभाग की मंत्री श्रीमती संपतिया उइके उपस्थित रहेंगी। बैठक में जिले के सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक विभागीय जानकारी एवं तैयारियों के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में बाढ़ प्रबंधन, राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों, विभागवार कार्ययोजना तथा समन्वय व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी।

150 बैगा परिवारों के बच्चों के लिए सुरक्षित विद्यालय भवन का अभाव

जर्जर स्कूल छोड़ निजी मकान में लग रही कक्षाएं

*** बैगा जनजाति के नौनिहालों को नहीं मिल रही शिक्षण सुविधा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत जंतीपुर के पोषक ग्राम कुदई टोला में संचालित प्राथमिक शाला का भवन जर्जर होने से लगभग 30 विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्थिति यह है कि बच्चों को सुरक्षित भवन उपलब्ध न होने के कारण एक ही कमरे में पांचों कक्षाओं की पढ़ाई कराई जा रही है।

ग्राम पंचायत जंतीपुर के सरपंच संत लाल मरावी ने बताया कि कुदई टोला में विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति के लगभग 150 परिवार निवास करते हैं। सरकार बैगा समुदाय के विकास और शिक्षा के लिए अनेक योजनाएं संचालित करने का दावा करती है, लेकिन यहां के बच्चों को आज तक सुरक्षित विद्यालय भवन तक उपलब्ध नहीं हो सका।

उन्होंने बताया कि विद्यालय भवन का निर्माण वर्ष 1993 में हुआ था, जो वर्ष 2017-18 से जर्जर हो चुका है। पहले बच्चों को आंगनबाड़ी भवन में बैठाकर पढ़ाया जाता था, लेकिन वहां भी बारिश में पानी टपकने की समस्या के कारण अब अपने निजी मकान में विद्यालय संचालित करना पड़ रहा है। एक ही कमरे में कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को साथ बैठाकर पढ़ाने से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रभावित हो रही है। भवन की मरम्मत एवं नए भवन निर्माण के लिए कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। जर्जर भवन बच्चों के लिए पूरी तरह असुरक्षित है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

विद्यालय की शिक्षिका दीपाली बरकड़े ने बताया कि स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रत्येक वर्ष जिला शिक्षा केंद्र को भवन की जर्जर स्थिति तथा मरम्मत की आवश्यकता संबंधी जानकारी भेजी जाती है, लेकिन अब तक मरम्मत नहीं कराई गई। उन्होंने शीघ्र ही भवन की मरम्मत अथवा नए विद्यालय भवन के निर्माण की मांग की।

ग्रामीणों ने कहा कि सरकार विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति के विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि 150 परिवारों के बच्चों को आज भी सुरक्षित विद्यालय भवन नसीब नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र नए विद्यालय भवन के निर्माण तथा विभागीय अभिलेखों में दर्ज विसंगति को दूर करने की मांग की है।

इनका कहना है -

यदि विभाग द्वारा शीघ्र ही जर्जर स्कूल भवन की मरम्मत नहीं कराई गई, तो ग्रामवासियों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह मामला जनजातीय बच्चों की शिक्षा और उनकी सुरक्षा से जुड़ा है, इसलिए प्रशासन तत्काल आवश्यक कार्रवाई करे।

संतलाल मरावी, सरपंच, ग्राम पंचायत जंतीपुर, मण्डला

कार्यालय व्यय एवं अन्य खर्च के नाम पर लाखों का हेर-फेर

जनपद मण्डला की पंचायत पटपरा रैयत का मामला

*** पिछले 10 वर्षों में हुये मनमाने भुगतान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जनपद पंचायत मण्डला की ग्राम पंचायत पटपरा रैयत में जो भुगतान हुये हैं उन पर यदि सिर्फ सरसरी निगाह ही डाली जाये तो आप हैरत में पड़ जायेंगे। जिस तरह के लाखों रूपये के भुगतान व्यक्तिगत नामों से हुये हैं और भुगतान जिस बावद है वहां सिर्फ यह उल्लेख किया गया है कि यह भुगतान कार्यालय व्यय एवं अन्य खर्च हेतु किया जा रहा है अब यह भुगतान जिनके नाम से किया गया वे कौन हैं यह तो पंचायत सरपंच एवं सचिव ही बता सकते हैं लेकिन जिनके नाम उल्लेखित हैं उनमें से अधिकांश इस पंचायत के ही निवासी हैं और तो और तात्कालीन सरपंच एवं सचिव के नाम से भी राशि का भुगतान किया गया है जबकि नियम यह है कि कोई भी पंचायत प्रतिनिधि अपने नाम से पंचायत से भुगतान नहीं ले सकता। यदि यह भुगतान मानदेय का होता तो भी उसे उल्लेखित किया जाना था लेकिन यह भुगतान भी बहुत कम होता जबकि तात्कालीन सरपंच के नाम कहीं 36000 रूपये, कहीं 7000 रूपये, कहीं 64999 रूपये, 73300 रूपये, 10500 रूपये, 3500 रूपये से अधिक का भुगतान किया गया है अब यह राशि सरपंच के नाम से क्यों निकाली गई यह तो सरपंच, सचिव या फिर जनपद के अधिकारी ही बता सकेंगे। इसी तरह ग्राम में एक टेलर रतनलाल मरावी इनके नाम से भी कभी 13000 रूपये, कभी 9000 रूपये, कभी 3520 रूपये और कभी 20000 रूपये का भुगतान किया गया। अब विद्वान सचिव ही जबाव दे सकेंगे कि आखिर पंचायत में ऐसे कौन से कपड़े सिलवाये जिसका भुगतान टेलर रतनलाल मरावी को हजारों में किया गया। एक नाम राजेश यादव का है जिसके नाम से विभिन्न तारीखों में लाखों के भुगतान हुये हैं ऐसे ही भागचंद, विजयकुमार, सुंदरसिंह, मनोज पटेल, सुखचैन कुंजाम, सम्पत आदि नाम हैं जिनके नाम से समय-समय पर हजारों रूपये निकाले गये।

नवीन जेल बिल्डिंग निर्माण के लिए चिन्हित भूमि का आवंटन कराएं-कलेक्टर

मण्डला। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला जेल को शहर के बाहर नवीन जेल भवन निर्माण कर शिफ्ट किये जाने के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने कहा कि नवीन जेल भवन के लिए मंडला अनुविभाग की पंचायत बोरिया में जमीन चिन्हांकित की गई है। संबंधित भूमि के आवंटन के लिए आज ही आवेदन करें, जिससे प्रकरण आगामी मंगलवार को होने वाली नजूल निर्वर्तन समिति की बैठक में लेकर भूमि आवंटन की प्रक्रिया कराई जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक सप्ताह में भूमि का आवंटन करवाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि तैयार किये प्रस्ताव को एक बार पुनः चेक करें। बनाये गए प्रस्ताव में मूल कामों के साथ-साथ जिन अन्य कार्यों को लिया गया है उनकी प्राथमिकता का क्रम निर्धारित करें। जिससे उपलब्ध राशि के अनुसार प्राथमिकता वाले कार्यों को पहले कराया जा सके। बैठक में उपस्थित नगर एवं ग्राम निवेश कार्यालय के अधिकारी को कलेक्टर ने प्रत्येक मंगलवार को मंडला में अनिवार्यतः उपस्थित रहने को कहा। इस दौरान जेल अधीक्षक सहित संबंधित मौजूद रहे।

विश्व हिंदू परिषद–बजरंग दल के सेवा सप्ताह में रक्त परीक्षण एवं वृक्षारोपण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा चलाए जा रहे सेवा सप्ताह के अंतर्गत आज मंडला नगर में सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में मंडला जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में युवाओं के लिए रक्त परीक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 50 युवाओं ने उत्साहपूर्वक अपना रक्त परीक्षण कराया। इस अवसर पर युवाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान के प्रति भी जागरूक किया गया।

द्वितीय चरण में सिद्धेश्वर धाम, सुरंग देवरी आश्रम परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद प्रांत सुरक्षा प्रमुख सुमित सिंह ठाकुर, प्रांत विशेष संपर्क प्रमुख पंकज शिवरात्रि, बजरंग दल विभाग संयोजक सोनल बर्मन, जिला उपाध्यक्ष शक्ति छेतीजा, जिला सहसंयोजक शिवम बसु सिंधिया, जिला गौरक्षा प्रमुख रेनू कछवाहा, विद्यार्थी प्रमुख हिमांशु, पूनम सिंधिया, नीरज अग्रवाल, नीरज कोस्टा, मनोज ताम्रकार, अविनाश कछवाहा, शुभम बारमईया, ऋषभ बैरागी, गणेश बरमैया, किशोर रजक सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल केवल धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रहित के कार्यों में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सेवा सप्ताह के अंतर्गत ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

आबकारी एक्ट के प्रकरण में तीन आरोपी गिरफ्तार

नैनपुर। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी नैनपुर मंशाराम वगेन के नेतृत्व में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना नैनपुर पुलिस ने आबकारी अधिनियम के एक प्रकरण में प्रभावी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना नैनपुर में पंजीबद्ध अपराध अंतर्गत मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के प्रकरण की विवेचना के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 11 पेटी अंग्रेजी शराब, 30,000 नगद तथा घटना में प्रयुक्त एक एक्सयूवी कार बरामद की गई। जप्त मशरूका का कुल अनुमानित मूल्य 8,74,000 है। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि इसी प्रकरण में आरोपी विक्रम पांडे को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रकरण में आगे की विवेचना जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में तुषार श्रीधर, उम्र 24 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक-1, नैनपुर। विशाल पटेल, उम्र 24 वर्ष, निवासी निवारी, थाना नैनपुर। साहिब सिंह अरोरा उर्फ सोमी सरदार, उम्र 32 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक-10, नैनपुर शामिल रहे। जप्त सामग्री में 11 पेटी अंग्रेजी शराब, 30,000 नगद, एक एक्सयूवी कार कुल अनुमानित जप्त मशरूका मूल्य 8,74,000/- जप्त की गई। उक्त कार्रवाई में उप निरीक्षक विक्रम सिंह बघेल, प्रधान आरक्षक शेख शमद, आरक्षक नवीन, आरक्षक प्रशांत एवं आरक्षक आशीष की सराहनीय भूमिका रही।

चोरी | **चोर लाखों के जेवरात के साथ नगदी लेकर फरार।**

नगर की ब्लाक कॉलोनी में चोरी की वारदात

*** पुलिस जांच में जुटी, कब तक पकड़ें जायेंगे चोर।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

पुलिस थाना बिछिया अंतर्गत नगर के ब्लॉक कॉलोनी में विगत रात्रि को शिक्षक डीलन सिंह धमकेती के मकान में उस समय चोरी हो गई, जब वह किसी काम बस जबलपुर गया था सुबह वापस आया ओर घर खुला हुआ देख पुलिस को सूचना दी की उसके मकान में चोरी की वारदात हो गई है,अज्ञात चोरों द्वारा एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लगभग 8.30 लाख रुपये मूल्य की नकदी एवं आभूषणों की चोरी कर फरार हो गए, जिसका मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंच गए।

सूचना मिलते ही एसडीओपी सौरभ तिवारी एवं थाना प्रभारी रंजीत सिंह सैयाम के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंडला से डॉग स्क्वॉड टीम एवं फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों को बुलाया गया। विशेषज्ञों ने घटनास्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर संभावित साक्ष्य एकत्र किए जा रहे है, वहीं पुलिस ने आसपास के क्षेत्र का भी बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस द्वारा विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है तथा संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ के साथ अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई जारी है।

पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जा रही है। साथ ही घटना के समय क्षेत्र में आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है , और शीघ्र ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चोरी में लगभग 8.30 लाख रुपये मूल्य की नकदी एवं जेवरात चोरी होने का अनुमान लगाया जा रहा है। वास्तविक नुकसान का आंकलन पुलिस जांच एवं पीड़ित परिवार द्वारा उपलब्ध कराया गया, उसी जानकारी के आधार पर जांच ओर आगे की कार्रवाई की जा रहा है जिससे चोरों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके चोरी की

इस घटना के बाद क्षेत्रवासियों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही हैं की आखिर इतने सघन कॉलोनी के एक आवास से चोरी होना गहन चिंता का विषय है वारदात को लेकर नगर में गंभीर चर्चाओं का दौर चल रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुलिस थाना भुआ बिछिया लंबे समय से पुलिस बल की कमी से जूझ रहा है। थाना क्षेत्र का दायरा व्यापक होने तथा लगातार बढ़ती जिम्मेदारियों के कारण उपलब्ध पुलिस बल पर अतिरिक्त कार्यभार बना रहता है। लोगों का मानना है कि पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध होने से गश्त बढ़ेगी, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण होगा तथा ऐसी घटनाओं की रोकथाम में सहायता मिलेगी।

स्थानीय नागरिकों ने पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से भुआ बिछिया थाना में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति कर पुलिस बल बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि पर्याप्त संसाधन एवं पुलिश बल उपलब्ध होने से अपराधों की जांच और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को अधिक प्रभावी सहायता मिलेगी।

फिलहाल पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों एवं तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है तथा मामले का शीघ्र खुलासा करने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

छतरियां मिलते ही नन्हे बच्चों के चेहरे पर खिली मुस्कान

*** इनर व्हील क्लब मंडला ने पाठशाला के विद्यार्थियों को बांटी छतरियां और कराया नाश्ता।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए इनर व्हील क्लब मंडला की महिलाओं ने महाराजपुर स्थित ज्वालाजी वार्ड की एक पाठशाला में अध्ययनरत जरूरतमंद बच्चों के बीच छतरियों का वितरण किया। बारिश के मौसम में बच्चों को सुरक्षित रूप से विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिले, इसी उद्देश्य से लगभग 20 छात्र-छात्राओं को छतरियां प्रदान की गईं। इस अवसर पर बच्चों को नाश्ता भी वितरित किया गया।

कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष अनीता गोयल ने कहा कि बच्चों की शिक्षा के साथ उनकी सुरक्षा भी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। बारिश के दौरान कई बच्चे भीगकर विद्यालय पहुंचते हैं, जिससे उनके बीमार होने की आशंका बनी रहती है। इसी सोच के साथ क्लब ने यह पहल की, ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से घर से विद्यालय आएं और वापस घर लौट सकें।

कार्यक्रम में क्लब की उपाध्यक्ष राधिका अनुराधा, सचिव सरिता इसरानी, कोषाध्यक्ष आशा चौधरी, आईएसओ अनिता राय, चार्टर्ड प्रेसिडेंट अनुराधा चौरसिया तथा क्लब की एडिटर सीमा ज्योतिषी ने सक्रिय सहभागिता निभाई और बच्चों को छतरियां एवं नाश्ता वितरित किया।

विद्यालय की प्राचार्य भलावी मैडम ने इनर व्हील क्लब मंडला की इस सराहनीय पहल के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक सहयोग से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें यह महसूस होता है कि समाज उनके साथ खड़ा है।

छतरियां प्राप्त करते ही बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया। उनकी मुस्कान ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को भावुक कर दिया। क्लब की सदस्यों ने भविष्य में भी जरूरतमंद बच्चों के लिए इसी प्रकार के सेवा कार्य और उपयोगी उपहार उपलब्ध कराने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से ऐसे प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

अपने वादों को पूरा करने में विफल होने के साथ किसानों को कर्जदार होने मजबूर कर रही है सरकार- चौहान

अन्नदाता की मूंग फसल को सत प्रतिशत समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदे जाने पर किसान कांग्रेस द्वारा किया गया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि आये दिन अपनी मांगों को लेकर लोगों द्वारा विरोध प्रदर्शन के साथ साथ धरना देते हुये अधिकारियों को ज्ञापन सौपा जाता है। मगर शुक्रवार को किसान कांग्रेस द्वारा क्षेत्र के अन्नदाताओं की पीड़ा देखते हुये किये गये विरोध प्रदर्शन में एकत्र हुई किसानों की भीड़ ने इस सच्चाई को उजागर कर दिया गया है कि उनके द्वारा खून पसीने से तैयार की गई फसल मूंग को पूर्णरूप से समर्थन मूल्य पर नही खरीदे जाने से वह कितना परेशान हो रहा है। इस बात की सच्चाई शुक्रवार को किसान कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा अन्नदाताओं की परेशानी को उजागर करते हुये किये गये विरोध प्रदर्शन के दौरान उमड़ी हुई भीड़ द्वारा उजागर कर दिया गया है। ज्ञात हो कि कई वर्षो से सरकार द्वारा क्षेत्र के किसानों द्वारा पैदा की जाने वाली गर्मी मौसम की मूंग को समर्थन मूल्य पर खरीदा जाता था। मगर इस वर्ष सरकार द्वारा किसानों की मूंग को मात्र 25 प्रतिशत ही खरीदने के निर्णय को लेकर जहां अन्नदाता परेशान होने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि उनके द्वारा पैदा की गई मूंग बाजार में जिस भाव से बिकते हुये देखी जा रही है उसमें उसकी लागत खड़ी हो पाना मुश्किल होने से नही चूक पा रहा है। किसानों का कहना है कि मूंग फसल तैयार होने के तुरंत बाद उसका विक्रय करने के लिये किसानों को मजबूर इसलिये होना पड़ता है। क्योंकि मूंग फसल तैयार करते हुये उसमें लगने वाले अनेक प्रकार के रोगों से बचाव को लेकर किसानों को उसमें दबाईयों का छिड़काव किया जाता है उन दबाईयों को किसानों द्वारा दुकानदारों के पास से यह भरोसा दिलाते हुये उधार के रूप में लिया जाता है कि मात्र एक या दो माह बाद मूंग फसल आने के बाद उसे बेचकर उधारी चुका दी जावेगी। इसके आलवा अन्य जरूरी कार्य भी

किसान द्वारा मूंग फसल के भरोसे ही किये जाते है। वही दूसरी ओर मूंग फसल की कटाई से लेकर उसकी थ्रेशिंग सहित अन्य कार्यो में भी पैसा खर्च किया जाता है। इस अपने घर तक मूंग लाने के दौरान किसान काफी हद तक कर्जदार बन चुका होता है। उस कर्ज को पटाने के लिये अन्नदाता को मूंग फसल का उचित दाम पर निर्भर रहता है। मगर इस वर्ष सरकार द्वारा मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदने का जो निर्णय दिया गया है उसके चलते अन्नदाता चारो ओर परेशानियों से घिरने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि सरकार द्वारा मात्र 25 प्रतिशत ही मूंग खरीदी जा रही है। इस स्थिति में अन्नदाता को अपनी शेष 75 प्रतिशत मूंग यानि की आधे अधिक व्यापारियों के पास ओने पोने दामों में विक्रय करने की मजबूरी बनने से नही चूकेगी। इसी बात को लेकर किसान कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष धमेन्द्र सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पटैल के नेतृत्व में शहर की नई गल्ला मंडी में विरोध प्रदर्शन करते हुये सरकार से किसानों की मूंग को शत प्रतिशत समर्थन मूल्य पर खरीदने की मांग की गई। किसानों की हित की लड़ाई में युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार, जिला संघटन मंत्री दीवान शेलेन्द्र पटेल सहित पूर्व विधायक दीनदयाल ढिमोले, पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष म मैथली शरण तिवारी, वरिष्ठ नेता लाखन पटेल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गौतम पटेल, मनीष राय, जिला सदस्य अरविंद पटेल , कपिल ठाकुर, जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष संतोष पटेल, महिला उत्पीडन जिला अध्यक्ष प्रियंका चांदनी दीक्षित, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष दिग्विजयसिंह, पटेल छोटेराजा कौरव, ब्लॉक अध्यक्ष लखन पटेल, गिरजा शंकर कौरव, सतीस सेनी, नगर अध्यक्ष राजीव दुबे, सत्य नारायण कौरव, महिला ब्लॉक अध्यक्ष संगीता जॉयसवाल चीचली ब्लाक उपाध्यक्ष मनीष कौरव, डॉली सिंघई, बसंत तपा, बंटू गुप्ता, प्रदीप कौरव, अबधेश रूसिया, किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र विल्थरे, सत्यनारायण कौरव, के के गुर्जर, संजय कौरव, अभिषेक पटेल, राजदीप दुबे, यश राय, मनीष कौरव, भूपेंद्र कौरव, हजारी लाल ममार, जिला मीडिया प्रभारी सुनील दुबे, सत्यव्रत कौरव सहित अनेक कांग्रेस नेता व क्षेत्र के अन्नदाता किसान मौजूद थें। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुये प्रदेश किसान कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धुमेन्द्र चौहान से केन्द्र से लेकर प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी पर किसान विरोध होने का आरोप लगाते हुये कहा कि सरकार किसानों को कर्जदार बनने के लिये मजबूर कर रही है। इसी प्रकार से जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पटैल द्वारा कहा गया कि सरकार द्वारा जिस तरह किसानों द्वारा जिस उम्मीद के साथ चिलचिलाती धूप के बीच अपनी मूंग फसल को तैयार किया गया था। क्योंकि जब किसान अपने खेतों में काम करता है तो उसे उम्मीद रहती है कि उसकी फसल का उचित दाम मिलने पर वह अपने बच्चों का भरण पोषण करेगे। मगर सरकार द्वारा किसानों की पूर्णरूप से मूंग नही खरीदे जाने की स्थिति में किसान को खुले बाजार में अपनी मूंग का विक्रय करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा जिससे मूंग मे लगाई गई लागत भी खरी नही हो पायेगी। इस तरह कार्यक्रम को संबोधित करते हुये अन्य वक्ताओं द्वारा भी केन्द्र से लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुये किसान विरोधी कहने से ही चूके। इसके उपरांत एकत्र किसान कांग्रेस के नेताओं द्वारा मौजूद लोगों द्वारा सरकार का विरोध प्रदर्शन करते हुये पैदल मार्च करने के साथ एसडीएम कार्यालय घेराव करने के लिये पहुंचे। इस दौरान सुरक्षा को लेकर नगर सहित जिले के अन्य थानों से बुलाया गया भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। वही जब किसान कांग्रेस की रैली नगर के मुख्य मार्ग से पैदल निकली तो सरकार विरोध नारे लगाने से नही चूक रहे थें। इस तरह सभी ने पहुंचकर एसडीएम कार्यालय में किसानों की मूंग को शत प्रतिशत खरीदने की मांग करते हुये एसडीएम को ज्ञापन सौपा गया।

संदिग्ध स्थिति में गांव के पास गन्ना खेत में पाई गई एक सप्ताह से गायब युवक की लाश, पंचनामा बनाते हुये पुलिस ने शुरू की जांच

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी। ग्राम सहित संपूर्ण क्षेत्र में सनसनी का महौल उस समय निर्मित होने से नही चूक पाया जब लोगों ने गांव के पास गन्ना खेत में एक युवक की लाश देखी गई। इस तरह लाश होने की खबर जहां संपूर्ण क्षेत्र में आग की तरह फैलने के कारण मौके पर लोगों का हुजूम लगने से नही चूक पाया था। वही इस तरह गन्ना खेत में लाश पड़ी होने की सूचना ग्रामीणों द्वारा सिहोरा पुलिस चौकी प्रभारी विजय पाल को दी गई। मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुये चौकी प्रभारी विजय पाल तुरंत अपने स्टाप के साथ मौके पर पहुंचकर घटना स्थल को सुरक्षित करते हुये मौके पर मौजूद साक्ष्यों की बारीकी से जांच किये जाने पर मृतक युवक की पहचान ग्राम

खुलरी ही निवासी डोरीलाल उर्फ छोटे पटैल के रूप में की गई। मृतक की पहचान में मुख्य रूप से उसके पास पाया गया आधार कार्ड, कपड़े सहित मोटर साईकिल की चाबी से होने के बाद पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों को बुलाते हुये मृतक की पहचान की पुष्टि कराने के बाद पंचनामा बनाते हुये मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया गया है। वही मृतक के परिजनों का कहना है कि डोरीलाल बीते हुये 2 जुलाई से अपने घर से बगैर बताये हुये गायब हो गया था। वही उसकी खोजबीन के लिये रिस्तेदारों से लेकर अन्य जगहों पर प्रयास किये जाने के बाद भी पता नही चल पाया था और आज इस तरह गन्ने के खेत में लाश यानि की कंकाल के रूप में पाया गया है। वही युवक की मौत को लेकर पुलिस द्वारा कहना है कि मौत के सही कारणों का पता तो पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद भी चल पायेगा। पुलिस द्वारा मर्ग कायम करते हुये जांच शुरू कर दी गई है। इस तरह एक सप्ताह पहले घर से गायब हुये युवक की गांव के ही पास गन्ने के खेत में लाश पाये जाने को लेकर अनेक प्रकार की चर्चाओं का बाजार गर्म होते हुये देखा जा रहा है..? अब देखते हुये कि मौत की सच्चाई का क्या राज खुलता है यह तो आने वाला समय ही बतायेगा...?

नगर की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था में सुधारने में असफल हो रहा प्रशासन, महानगरों की तरह दिखाई पड़ रहे जाम के नजारे

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शहर की आबादी बढ़ने,आपाधापी भरे समय में स्वाभाविक तौर से वाहनो, आटो की संख्या में ईजाफा होने, स्कूलो बसो, ट्रको की भरमार होने, अतिक्रमण की गहराती समस्या के कारण नगर की प्रमुख सड़क़ेर बेजा यातायात का दबाव सहने की स्थिति में दम तोड़ती जा रही है और वही नवनिर्मित सड़कों के भी जर्जर होने की शुरूआत हो गयी है। जिन पर सुबह से अनियंत्रित गति से चल रहे वाहनों से जहां पैदल स्कूलो में जाने वाले बच्चो, राहगीरो, शासकीय कर्मचारियो का सड़कों को पार करना मुश्किल हो रहा है। वही सड़कों के किनारों पर बेतरतीव वाहनों के खड़े रहने से नगर के राठी तिराहे, पलोटन गंज चौराहे, झंडाचौक पर रोज जाम लगने के हालात बन रहे है? इन स्थानों के सकरे पन की वजह से कभी कभार वाहनों का रेला इतना अधिक लग जाता है कि यातायात अराजक हो जाता है और लोगो का परेशानी उठाने मजबूर होना पड़ता है। वही दूसरी ओर नगर की सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशी भी यातयाता व्यवस्था को पूर्ण रूप से तहस नहस करे हुए है। जिनको हटाने के लिए बीते हुये समय में पूर्व नपा द्वारा हाकां गैंग की शुरूआत की गई थी मगर पता वह अचानक कहा गायब हो चुकी है? वही चल रहे किसानों के कृषि कार्यो के सीजन में जब बाजार गुलजार रहता है तब कई जगह जाम लगने की नौबत आने से आमजनो का सड़को पर चलना दूभर होने के साथ साथ शहर का महौल बड़े महानगरों के समान दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? बताया जाता है कि शहर में अक्सर दिखायी देने वाले जाम के मंजर बाजार में दुकानदारो द्वारा सड़कों के आधे हिस्से पर सामान फैलाने तथा लोगों में अतिक्रमण करने की बढ़ रही प्रवृत्ति की देन है। विदित

हो कि बरसो से पुलिस को मिल रही नगर की यातायात व्यवस्था सुचारू रखने की चुनौती को स्वीकार करने में स्थानीय पुलिस नाकाम साबित होते हुये जान पड़ रही है? शहर के थाने में अलग से पर्याप्त यातायात पुलिस कर्मी न रहने से कई महत्वपूर्ण स्थानो पर यातायात पुलिस कर्मी तैनात नही हो पा रहे है, जिससे अनियंत्रित गति से वाहन चलाने वाले मनचाहे ढंग से सड़कों पर वाहन दौड़ा दुर्घटनाओं को निमंत्रण देकर यातायात व्यवस्था को बिगाड़ रहे है। वही शहर वासियों का कहना है कि बदलते समय में शहर के सौन्दर्यीकरण के साथ नगर के युवाओं, नागरिको की चाहत है कि नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार करने शासन प्रशासन हरकत में आएॅ, जिला पुलिस अधीक्षक नगर के थाने में अपेक्षित यातायात पुलिस कर्मियो की तैनाती कराये ताकि शहर के प्रमुख स्थानो पर जाम लगने की समस्या खत्म हो सके।

इस तरह की लापरवाही देती है बड़ी घटनाओं को अंजाम, अधिकारियों की अनदेखी का परिणाम भोगती है आम जनता

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों से बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो अपना पूरा जोश लगाया जा रहा है, मगर वही दूसरी ओर क्षेत्र के फैली बिजली लाईनों के सुधार कार्य से लेकर उनके रख रखाब में इस प्रकार की उदासीनता बरती जाती है कि जहां तहां झूलते हुए बिजली तारों से निकलने वाली आग की चिंगारियों से किसानों के खेतों में जहां खड़ी हुई फसले जलकर खाक हो जाती है या फिर बिजली से लगने वाले करेन्ट के कारण लोगों को बेमौत काल के गाल में समाने के लिए मजबूर

होना पड़ता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखने मिल रही है जहां पर बिजली विभाग के उदासीनता के चलते मुख्य मार्गो पर झूलते हुए बिजली तारों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि कभी भी कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? बताया जाता है कि क्षेत्र के किसानों द्वारा अपनी सुरक्षा के लिए अपने स्तर पर लकड़ी के खम्बा लगाते हुए व्यवसथा बनाई गई है जिसके चलते क्षेत्र की बिजली सिर्फ लकड़ी के खम्बों भरोसे चलते हुए जान पड़ रही है? इस बात की सच्चाई इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में देखने मिल रही है जहां पर बताया जाता है कि किसानों के लिए बनी हुई सार्वजनिक रास्ते के ऊपर बिजली तार इस प्रकार से झूलते हुए नजर आ रहे है कि उन तारों से कभी भी कोई वाहन टकरा सकता है, इस बात की जानकारी बिजली विभाग के बड़े अधिकारियों से लेकर छोटे कर्मचारियों को होने के बाद भी किसी भी प्रकार का सुधार नही किये जाने से इस बात का अंदेशा लग रहा है कि शायद बिजली विभगा के अधिकारी क्षेत्र में कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार कर रहे है?

शहर के चीचली रेल्वे गेट की मादक पदार्थों की बिक्री व सेवन करने वालों के लिये सुरक्षित स्थान के रूप में बन चुकी है पहचान...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय शहर में खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर खुलेआम अतिक्रमण को जाल बिछते हुये देखे जाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली निश्चित तौर से जहां अतिक्रमणकारियों के लिये संरक्षण की मुद्रा में प्रतीत होने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर जिस तरह नगर के रेलवे स्टेशन के समीप यानि की चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर लगे हुये रेल्वे गेट के पास अतिक्रमण करते हुये स्थापित हो रही दुकानों पर जहां सुबह से लेकर देर रात तक आवारा गर्दी करने वालों का जमावडा लगा रहता है तो दूसरी ओर शाम होते ही यहां पर शराब खोरी करने वालों की अशोभनिय हरकते देर रात चलने के कारण यहां पर निवास करने वाले लोगों के साथ साथ इस मार्ग से निकलने वाले राहगीरों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है..? रात के समय तो हालत यह बन जाते है कि नगर के युवा दर्जनों की सुख्या में अपनी गाड़ियों से पहुंचकर एकत्र हो जाते है और खुलेआम मादक पदार्थो की बिक्री व सेवन का दौर शुरू होता है जो देर रात तक चलता रहा है। इस संबंध में स्थानीय पुलिस को अवगत कराये जाने के बाद कुछ दिनों तक तो पुलिस द्वारा नजर रखी गई । मगर सच्चाई को फिर भुला दिये जाने के चलते अब आवारा गर्दी करने वालों के लिये यह स्थान प्रमुख अड्डा बनकर रहे गया है। यहां पर मादक पदार्थो की ब्रिकी की सच्चाई पर गौर किया जावे तो पुलिस थाने में दर्ज अनेक मामलों में मादक पदार्थ यानि की स्मैक के कारोबारियों को इसी क्षेत्र से पकड़ने में सफलता हासिल की गई थी इस तरह

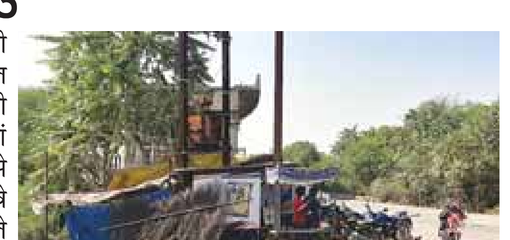

पुलिस के रिकार्ड के अनुसार यह क्षेत्र आवारा गर्दी करने वालों के साथ मादक पदार्थो की मंडी के रूप में भी तब्दील होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? बताया जाता है कि यहां पर खाली पड़ी हुई सड़क किनारे की भूमि पर लोगों द्वारा खुलेआम अतिकमण करते हुये अपनी दुकाने स्थापित की गई है। इन दुकानों पर दिन भर आवारा गर्दी करने वाले तत्वों का हुजूम रहने के चलते आम लोगों के साथ साथ स्कूल आने जाने वाली छात्राओं को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि यहां पर लगी हुई दुकानों पर बैठे रहने वाले इन तत्वों द्वारा आसपास के गांवों से स्कूल आने वाली छात्राओं के साथ अशोभनीय हरकते करते हुये छीटाकशी करने से नही चूकते है और छात्राये दहशत व भय के चलते इन मनचलों की हरकतों से परेशान होकर अपमान का कढावा घूंट पीने के लिये मजबूर हो रही है। वही दूसरी ओर कुछ इसी प्रकार का हाल रात के समय भी देखने मिल रहा है। क्योंकि जब पूरे शहर की दुकाने बंद हो जाने के बाद भी यहां पर अतिक्रमण करते हुये स्थापित की गई दुकाने देर रात तक चलते हुये देखी जाती है जहां पर शराब की अवैध विक्री से लेकर अन्य प्रकार के मादक पदार्थो की आसानी से उपलब्धता के चलते युवाओं को इसी और दौड़ते हुये देखा जाता है। रात के समय यहां पर दुकानों से लेकर खुले मैदान में शाम से लेकर देर रात तक शराब खोरी होने के कारण लड़ाई झगड़ा होना तो आम बात हो चुकी है। मगर शराब खोरी करने वाले लोगों द्वारा रात के समय इस मार्ग से निकलने वाले लोगों के साथ अभद्रता करने से नही चूकते है तो दूसरी ओर इस क्षेत्र में निवास करने वाले लोग भी इस तरह नगर के रेल्वे गेट के पास दिन रात होने वाली आवारा गर्दी से परेशान होते हुये देखे जा रहे है। जबकि गौर किया जावे तो पूर्प में अनेकों बार रेल्वे की इस भूमि पर दुकाने स्थापित करने वाले के खिलाफ आर पी एफ के अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करते हुये इन्हे हटा दिया गया था। मगर पता नही क्योंकि आर पी एफ सहित रेल पुलिस व नगर के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा यहां पर दिनों दिन बढ़ रहे अतिक्रमण को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि आम लोगों के लिये भुगतने मजबूर होना पड़ रहा है।

नगर सहित क्षेत्र में धडल्ले से बिक रही विदेशी सिगरेट में फंस रही युवा पीढ़ी आखिर दुकानदारों के पास विदेशी सामग्री सप्लाई होना चर्चा का विषय?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर कुछ साल पहले म.प्र. शासन के आदेश पर पूरे प्रदेश में शुद्व के लिये युद्व मुहिम चलाने की बात कही गई थी। मगर यह आदेश पता नही कहा गायब हो गया है जिसके चलते मिटावट खोरों के हौसले पूर्ण बुलंदियों पर नजर आने से नही चूक रहे है..? वही दूसरी ओर अधिकारियों द्वारा शासकीय चिकित्सालय व शासकीय शिक्षण संस्थाओं की 100 मीटर के अंदर आने वाली परधी में तम्बाखू युक्त सामग्री विक्री पर अंकुश लगाने के लिये बीते हुये दिनों कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये देखा गया था? मगर प्रशासन द्वारा की जाने वाली इस कार्यवाही के दौरान जिस प्रकार से अधिकारियों द्वारा जिस सच्चाई को नजर अंदाज किया जा रहा है उसे लेकर संपूर्ण शासन प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है? क्योंकि शुद्व के लिये युद्व मुहिम पर की जाने वाली कार्यवाही तो ठीक है। मगर नगर सहित क्षेत्र के अनेक दुकानों पर इस प्रकार की सामग्री भी धडल्ले से बिकते हुये देखी जा रही है जो नियम विरूद्व होने के साथ साथ युवाओं की जिन्दगी को बर्बाद करने से नही चूक रही है? बताया जाता है कि इस समय नगर सहित क्षेत्र की अनेक पान दुकानों सहित अन्य सामग्री की दुकानों पर जिस प्रकार से विदेशी सिगरेटों की बिक्री होते हुये देखी जा रही है वह नियम विरूद्व बताई जा रही है। क्योंकि किसी भी विदेशी माल का विक्रय करने के लिये अनेक प्रकार के माप दंडो का पालन करना जरूरी होता है। मगर इसके बाद भी नगर सहित क्षेत्र में धडल्ले से इस प्रकार विदेशी सिगरेटों की भरमार देखने मिल रही है, जिसके चलते विदेशी सिगरेटों की लत के आदि हो चुके युवा अपना शोक पूर्ण करने के चक्कर में इन महंगी सिगरटों के चक्कर में अपनी जिन्दगी बर्बाद करने के साथ साथ लुटने से भी नही चूक रहे है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या नगर में इस प्रकार से पान दुकानों सहित अन्य दुकानों पर इस प्रकार से विदेशी माल विक्रय करने की अनुमति प्रदान की गई है जिसके चलते वह धडल्ले से इस प्रकार विदेशी सिगरेटों का विक्रय करते हुये देखे जा रहे है? वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो सबाल यह भी पैदा होने से नही चूक रहा है कि विदेशी सिगरेटों के नाम पर अनेक ब्रांडो की यह सिगरेटे क्या सही रूप से उसी ब्रांड की होती है जिसके नाम पर विक्रय की जा रही है या फिर विदेशी व ब्रांड के नाम पर मात्र युवाओं की जिन्दगी बर्बाद करते हुये उनकी जेबों पर डाका ही डालने का कार्य किया जा रहा है अब सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने? मगर नगर में धडल्ले से विक्रय होते हुये देखी जा रही इन विदेशी सिगरेटों की सच्चाई को लेकर जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा चुप्पी साधी जा रही है उसके चलते शासन द्वारा चलाये जा रहे शुद्व के लिये युद्व पर अपने आप ही सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है? क्योंकि खाद्य सामग्री से अधिक इस प्रकार से विदेशी ब्रांडों के नाम पर विक्रय होने वाली यह सिगरेटे जहरीली साबित होने से नही चूक रही है जो निश्चित तौर से मानव जीवन पर विपरित असर डालते हुये दिखाई दे रही है, वही दूसरी ओर उनका निर्धारित ब्रांड के नाम पर कहा तक सही है इस बात का भी किसी को पता नही होने के बाद भी प्रशासन द्वारा कार्यवाही

महंगाई के दौर में माध्यम वर्गीय लोगों को आशियाने बनाना हुआ मुश्किल, प्लाटों की कीमत छू रही आसमान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। समय के चल रहे मंहगाई के कुचक्र से बाजार में मूलभूत आवश्यकता की चीजों के दाम बढ़ने से शहर के निवासियो की जिन्दगी की मिठास जहां खत्म होती जा रही है, वही सीमेंट, लोहा, इमारती लकड़ी, रेत, गिट्टी, के दाम स्थिर न रहने से गरीब तो दूर मध्यवर्गीय लोगों का अपने बच्चों के लिए आशियाना बनाने का सपना चकनाचूर हो रहा है। गौरतलब है कि शहर में मौजूदा दौर में मकान निर्मित करने के लिए उपयुक्त जमीनो की कीमतें आसमान छू रही है, जिसके चलतें अधिकतर नौकरी पेशा और साधारण स्थिति के लोगों के लिए अपना मकान बनाने के लिए प्लाट खरीदना आसान नहीं रहा है । उधर,आलम यह है कि जिन व्यक्तियों ने पूर्व में अपने मकान बनाने के सपने सॅजोकर नगर में प्लाट खरीद रखे है तो दूसरी ओर उनकी कीमत तो लगातार बढ़ रही है। किंतु निर्माण सामग्री, मजदूरी महॅगी होने और अन्य समस्याओं के आडे आने के कारण फिलहाल उनकी मकान बनाने की हिम्मत नही हो रही है और इन खाली पड़े प्लाटो में कचरे के अम्बार लगे नजर आ रहे है? ज्ञातव्य है कि सेवा निवृत्ति के कगार पर आए शासकीय कर्मचारियो, गांवो से शहर में आए हुए लोगों के साथ साथ किसानों और गरीबों की हसरत रहती है कि वह अपने बच्चों के लिए शहर में बेहतर मकानों का निर्माण करायें। किंतु विडम्बना की बात है कि भीषण होती जा रही महॅगाई उनके आशियाने बनाने के अरमानो को मटिया मेट कर रही है। सच्चाई पर गौर किया जावे तो शहर में जमीनों, मकानों की निर्माण सामग्री के दाम में लगातार बढ़ोत्तरी का सिलसिला लगभग 15 वर्ष पहले शुरू हुआ था, जिसके रूकने का नाम न लेने का ही परिणाम है कि हाईटेक दौर में अधिकतर शहरवासी अपनी आने वाली पीढ़ी को नए मकान का उपहार नही दे पा रहे है..?

CHANGE OF NAME

I, Ankit S/O Basant Swami, resident of Singhpur Chhota, Sali Choka Road, Th. Gadarwara, 487551 do hereby declare that I have changed my name from Ankit to Ankit Swami and hence- forth I shall be known as Ankit Swami in all purpose, vide affi-davit no DD318514 sworn before the Notary Public at Gadarwara on 08/07/2026, Ankit Swami and Ankit both are same and one identical person.

Deponent
Ankit Swami
S/O Basant Swami
Resident-Singhpur
Chhota, Sali Choka Road
Th.- Gadarwara,
Narsinghpur,
Madhya Pradesh,487551

न्यायालय - राजेश कुमार तिवारी प्रथम जिला न्यायाधीश गाडरवारा, जिला - नरसिंहपुर म. प्र.

प्र. क्र. ExA 28/2017

पेशी दिनांक 29.07.2026

राघवेंद्र विरूद्व धीरेन्द्र शर्मा वगैरह

प्रे. स. न. 146/2026

संख्याक 28

विक्रय उदघोषणा तय करने के लिये नियत दिन की सूचना

(आदेश 21 का नियम 66)

धीरेन्द्र (मृत) के वारसान क्रमांक 1 से 3 तक
1. श्रीमती वंवीता शर्मा (पत्नि) 2. शुभम शर्मा (पुत्र), 3. पूजा शर्मा (पुत्री), 4. निरपेंद्र शर्मा (भाई), 5. अन्नीबाई पत्नि छत्रसाल शर्मा सभी निवासी ग्राम बटेसरा, तहसील गाडरवारा, जिला न र सिं ह पु र म.प्र...........निर्णीतऋणीगण

उक्त वाद में राघवेन्द्र सिंह तिहैया पिता प्रह्लाद सिंह तिहैया निवासी महादेव वार्ड करेली जिला नरसिंहपुर म. प्र. डिक्रीदार ने भूमि के विक्रय के लिए आवेदन किया है, अत: आपको यह इत्तिला दी जाती है कि तारीख 29.07.2026 विक्रय की उद्घोषणा के निबन्धनों को तय करने के लिए नियत की गई है।

यह आज तारीख 03.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई

संख्याक 29

विक्रय उदघोषणा

(आदेश 21 का नियम 66)

डिक्रीधारी राघवेन्द्र सिंह तिहैया पिता प्रहलाद सिंह तिहैया निवासी महादेव वार्ड करेली जिला नरसिंहपुर म.प्र. के द्वारा विनिश्चित 2017 के निष्पादन 28 ए संख्याक वाला वाद जिसमें राघवेन्द्र सिंह वादी था और धीरेन्द्र (मृत) के वारसान क्रमांक 1 से 3 तक
1. श्रीमती ववीता शर्मा (पनि) 2. शुभम शर्मा (पुत्र), 3. पूजा शर्मा (पुत्री), 4. निरपेंद्र शर्मा (भाई), 5. अन्नीबाई पत्नि छत्रसाल शर्मा सभी निवासी- ग्राम बटेसरा, तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर म.प्र. प्रतिवादी थे ।

सर्व साधारण को यह सूचना दी जाती है कि इस न्यायायल ने उपाबंध अनुसूची में वर्णित कुर्क सम्पति का पार्श्व में वर्णित वाद (1) में डिक्रीदार के दावे की, जो खर्चे और विक्रय की तारीख तक के ब्याज सहित 17,20,065/- रूपए की राशि का है, तुष्टि में विक्रय करने के लिए सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 आदेश 21 के नियम 66 के अधीन आदेश दिया गया है।

विक्रय लोक नीलाम द्वारा किया जाएगा और सम्मति अनुसूची में विनिर्दिष्ट लाटों में विक्रय के लिए रखी जाएगी। विक्रय उक्त निर्णीतऋणियों की उस सम्पत्ति का होगा जो निम्नलिखित अनुसूची में वर्णित है, और उक्त सम्पत्ति से संलग्न दायित्व और दावे जहॉ तक कि उनका अभिनिश्चय किया जा सका है वे है जो हर एक लाट के सामने अनुसूची में विनिर्दिष्ट है। जब तक मुल्तवी करने का आदेश न किया जाए यह विक्रय तारीख 29.07.2026 को सुबह 11 बजे न्यायालय परिसर गाडरवारा, तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर में प्रारंभ होने वाले मासिक विक्रय में नायब नाजिर गाडरवारा तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर म.प्र. द्वारा उद्घोषणा की जाएगी, किंतु यदि उपर विनिर्दिष्ट ऋण और विक्रय के खर्चे किसी लाट के लिए बोली अंतिम होने के पूर्व निविदत्त या संदन कर दिए जाते हैं तो विक्रय बन्द कर दिया जाएगा।

विक्रय में सर्वसाधारण को या तो स्वयं या सम्यक रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा बोली लगाने के लिए निमंत्रित किया जाता है। किंतु उपरिवर्णित निर्णीत लेनदारों द्वारा या उनके निमित्त लगाई गई कोई भी बोली स्वीकार नहीं की जाएगी और न्यायालय द्वारा पहले से दी गई अभिव्यक्त अनुज्ञा के बिना उनको किया गया विक्रय विधिमान्य न होगा।

यदि पेशी दिनांक 29.07.2026 को पीठासीन अधिकारी अवकाश पर रहते है शासकीय अवकाश घोषित होता है तो उक्त प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस पर होगी यह आज तारीख 03.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई

उस सम्मत्ति का वर्णन जिसका विक्रय किया जाना है और जहॉ एक से अधिक निर्णीतऋणी है वहां उसके साथ हर एक स्वामी का नाम - मौजा- ग्राम बटेसरा, नं. बं. - 283, प.ह.नं.- 81, ख.नं.-166/1/1/1, रकवा - 2.1620 हेक्टेयर भूमि, नाम- धीरेन्द्र (मृत) के वारसान क्रं. 1 से 3 तक 1. श्रीमती ववीता शर्मा (पत्नि), 2. शुभम शर्मा (पुत्र), 3. पूजा शर्मा (पुत्री), 4. नृपेंद्र शर्मा (भाई), 5. अन्नीबाई पत्नि छत्रसाल शर्मा सभी निवासी- ग्राम बटेसरा, तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर म.प्र.

डिक्रदार द्वारा यथाकथित सम्मपति का मूल्य - 21, 13,200 /- रुपए प्रति हेक्टेयर (शब्देन- इक्कीसी लाख तेरह हजार दो सौ रुपए प्रति हेक्टेयर) सात लाख रुपए ।

शील

(राजेश कुमार तिवारी)
प्रथम जिला न्यायाधीश
गाडरवारा जिला नरसिंहपुर

खबर संक्षेप

लापरवाही पर नगर परिषद के 8 दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारी बर्खास्त

डिंडौरी। नगर परिषद डिंडौरी ने कार्य में लापरवाही और बिना अनुमति लगातार अनुपस्थित रहने पर आठ दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। यह कार्रवाई कलेक्टर के निर्देश पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी वेद प्रकाश पुरी गोस्वामी द्वारा की गई।नगर परिषद के अनुसारए शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी सफाई कर्मचारियों का जोनवार कार्य विभाजन कर उन्हें निर्धारित वार्डों और कार्यस्थलों पर नियमित रूप से सफाई कार्य करने के निर्देश दिए गए थे। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता प्रभारी और सफाई दरोगाओं ने पाया कि कुछ कर्मचारी बिना पूर्व सूचना एवं अनुमति के लगातार अनुपस्थित रहे और अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं कर रहे थे।नगर परिषद ने संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब देने का अवसर भी दियाए लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए प्रकाश डोंगरेए दुर्गेश डोंगरेए रजरानी चौहानए राकेशए त्रिशालए सुरेंद्रए रानी चंचोल और राजेंद्र विश्वकर्मा की सेवाएं समाप्त कर दी गईं।मुख्य नगर पालिका अधिकारी वेद प्रकाश पुरी गोस्वामी ने कहा कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दुग्ध समृध्दि संपर्क अभियान का तृतीय चरण 13 से 18 तक

उमरिया। पशुपालन एवं डेयरी विभाग व्दारा जिले में दुग्ध संपर्क उत्पादन बढाने एवं पशु पालको को वैज्ञानिक पशुपालन के प्रति जागरूक करने के उददेश्य से दुग्ध समृध्दि संपर्क अभियान का तृतीय चरण आगामी 13 जुलाई से 18 जुलाई तक संचालित किया जाएगा। उप संचालक पशुपालन एवं डेयर विभाग डॉ.एच.पी.शुक्ला ने बताया कि अभियान अंतर्गत जिले के सभी विकासखंडों में कुल 4460 पशु पालक परिवारो तक विभागीय मैदानी अमला पहुंचकर सर्वेक्षण, मार्गदर्शन एवं जागरूकता गतिविधियां संचालित करेगा । इस दौरान पशु नस्ल सुधार की जानकारी दी जाएगी । अभियान के तहत ऐसे पशु पशु पालको को शामिल किया गया है जिनके पास तीन से 4 गौवंश अथवा भैंस वंश है । विभागीय मैदानी अमला घर घर पहुंचकर पशु पालको से सीधे संवाद स्थापित करेगा तथा उन्हे नस्ल सुधार, संतुलित पशु पोषण, हरे चारे के बेहतर प्रबंधन , पशुओ के स्वास्थ्य संरक्षण, मौसली बीमारियों की रोकथाम एवं नियमित टीकाकरण सहित वैज्ञानिक पशु पालन की विभिन्न तकनीको की जानकारी देगा।

जिले में बीते 24 घंटे में 3.6 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि बीते 24 घंटे में 3.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। मानपुर तहसील में 2.5 मिमी, पाली तहसील में 3.8 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 2.4 मिमी, चंदिया तहसील में 8.2 मिमी, करकेली तहसील में 1.7 मिमी, बिलासपुर तहसील में 7.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 1 जून से लेकर 10 जुलाई तक 221 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 270.7 मिमी, मानपुर तहसील में 144.6 मिमी, पाली तहसील में 258.2 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 251 मिमी, चंदिया तहसील में 169.8 मिमी, करकेली तहसील में 277.3 मिमी, बिलासपुर तहसील में 175.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी दिनांक तक जिले में कुल 508 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई थी जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 472.1 मिमी, मानपुर तहसील में 496.8 मिमी, पाली तहसील में 465.6 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 454.6 मिमी, चंदिया तहसील में 623.8 मिमी, करकेली तहसील में 426.6 मिमी, बिलासपुर तहसील में 616.8 मिमी वर्षा शामिल है।

सक्का में नवीन हाईस्कूल भवन का लोकार्पण

विद्यार्थियों को मिली आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं की सौगात

डिंडौरी। विकासखंड अमरपुर के ग्राम सक्का स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारीए जनप्रतिनिधिए शिक्षकए छात्र.छात्राएंए अभिभावक और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। अतिथियों ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्तिए लोक संस्कृति और सामाजिक संदेशों पर आधारित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दींए जिनकी अतिथियों ने सराहना करते हुए प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि प्रदेश सरकार जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर और आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि जिस भूमि पर विद्यालय भवन का निर्माण हुआ हैए वह स्वर्गीय पंडित नारायण प्रसाद नायक द्वारा दान की गई थी। इस योगदान के लिए उनके परिवार का सम्मान भी किया गया। उन्होंने कहा कि नया भवन विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करेगा और उन्हें आधुनिक शिक्षा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन और परिश्रम के साथ अध्ययन करने का आह्वान करते हुए कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर अवसर मिल रहे हैं।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि जिले में शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। नवीन विद्यालय भवन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करनेए स्वच्छता बनाए रखने और पौधरोपण के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी।कार्यक्रम के अंत में सांसद ने उपस्थित लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सभी से सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

नुक्कड़ नाटक से दिया नशामुक्ति का संदेश लोगों को किया जागरूक

डिंडौरी। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मार्गदर्शन में जिले में संचालित नशा मुक्ति अभियान के तहत जनपद पंचायत करंजिया में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने प्रभावी प्रस्तुति देकर आमजन को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया और नशामुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनने का संदेश दिया।नुक्कड़ नाटक के जरिए तंबाकूए गुटखाए बीड़ीए सिगरेटए शराब एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिकए मानसिकए सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों का सजीव मंचन किया गया। कलाकारों ने बताया कि नशा व्यक्तिए परिवार और समाज की प्रगति में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है तथा इससे दूर रहकर ही स्वस्थ और सुरक्षित जीवन संभव है।

कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों से नशे से दूर रहनेए अपने परिवार और बच्चों को इसकी बुराइयों से बचाने तथा गांव और आसपास के क्षेत्र को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। इस दौरान सभी उपस्थित लोगों को स्वयं नशा नहीं करने और दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।अधिकारियों ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान तभी सफल होगाए जब समाज की सक्रिय भागीदारी और जनजागरूकता लगातार बढ़ेगी। उन्होंने सामुदायिक सहयोग से नशामुक्त जिला और स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत करंजिया के अधिकारी.कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

आबकारी विभाग की कार्रवाई, 54 लीटर कच्ची शराब सहित विदेशी देशी मदिरा जब्त

डिंडौरी।

जिले में अवैध शराब के निर्माणए संग्रहणए परिवहन और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने 8 एवं 9 जुलाई को विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान आबकारी वृत्त डिंडौरी और शहपुरा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर अवैध शराब से जुड़े 10 प्रकरण दर्ज किए गए।कार्रवाई के दौरान 54 लीटर हाथ भट्टी निर्मित कच्ची शराबए 8 पाव देशी प्लेन मदिरा तथा 22 पाव विदेशी मदिरा जब्त की गई। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 14 हजार 220 रुपये बताई गई है।आबकारी विभाग ने

सुरेश यादवए सत्यम पारासरए सरोजनी वनवासीए अनीता बाई मरावीए ओमप्रकाश यादवए विद्या बाईए रामचरणए प्रकाश वनवासीए सोना बाई एवं साहबराय यादव के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियमए 1915 की धारा 34;1द्ध;कद्ध के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है।

बारिश की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

जलभराव रोकने और नालों की सफाई के दिए निर्देश

डिंडौरी। वर्षा ऋतु में संभावित जलभराव और आपदा जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने शुक्रवार को नगर के नर्मदा डैम घाटए शंकर घाट और इमली कुटी नाला का निरीक्षण किया। उन्होंने जल निकासी व्यवस्थाए नालों की सफाई और पेयजल प्रबंधन का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि सभी नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएए ताकि बारिश का पानी बिना रुकावट निकल सके और शहर में जलभराव की स्थिति न बने। उन्होंने गंदे पानी को नर्मदा नदी में जाने से रोकने के लिए प्रभावी इंतजाम करने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर ने फिल्टर प्लांट का निरीक्षण कर अधिकारियों से वर्षा ऋतु में निर्बाध एवं स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ सतर्कता से कार्य करें।नगर परिषद क्षेत्र में संचालित सीवर योजना के तहत शहर के आठ प्रमुख नालों को ट्रैप कर उनका दूषित पानी सीवर ट्रीटमेंट प्लांट ;एसटीपीद्ध तक पहुंचाया जा रहा है। यहां प्रतिदिन करीब 10 लाख लीटर दूषित जल का उपचार किया जा रहा हैए जिससे पहले सीधे नर्मदा नदी में पहुंचने वाला प्रदूषित पानी अब नदी में नहीं जा रहा है।प्रशासन के अनुसारए इस व्यवस्था के लिए नगरीय प्रशासन विभाग से लगभग 1ण्25 करोड़ रुपये की अतिरिक्त योजना स्वीकृत की गई थी। उपचारित जल का पुनः उपयोग किया जा रहा है तथा निकासी स्थल पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा दिया गया है।जिला प्रशासन ने नागरिकों से नर्मदा नदी की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने और नदी एवं नालों में कचरा या अन्य अपशिष्ट पदार्थ नहीं डालने की अपील की है।

रघुनाथ शाह-शंकर शाह बालक आश्रम भवन का भूमि पूजन विद्यार्थियों को मिलेगी बेहतर आवासीय सुविधा

डिंडौरी। विकासखंड अमरपुर की ग्राम पंचायत कमको मोहनिया में रघुनाथ शाह.शंकर शाह बालक आश्रम भवन का भूमिपूजन सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे सहित जनप्रतिनिधिए प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार जनजातीय विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षाए आवास और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आश्रम भवन के निर्माण से क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा मिलेगीए जिससे उनकी पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण तैयार होगा। उन्होंने निर्माण कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने पर जोर दिया।

शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि शिक्षा सामाजिक विकास का सबसे प्रभावी माध्यम है। आश्रम भवन बनने से दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा। उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता बनाए रखते हुए निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्तेए जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेतामए जनपद पंचायत अध्यक्ष हन्नू सिंह पट्टाए प्रीतम सिंह मरावीए फूल सिंह मरकामए आकाश नामदेव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं एसडीएम रामबाबू देवांगनए डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैनए जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त राजेंद्र कुमारए तहसीलदारए पटवारीए पुलिस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी.कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस पर डिंडौरी के 50 मत्स्य पालक हुए सम्मानित, सीखी आधुनिक तकनीक

डिंडौरी। राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस के अवसर पर कृषि विश्वविद्यालयए जबलपुर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में डिंडौरी जिले के 50 मत्स्य पालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य मत्स्य पालकों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना तथा मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देना रहा।कार्यक्रम में मत्स्य पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील मत्स्य पालकों को सम्मानित किया गया। विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक एवं आधुनिक मत्स्य पालन पद्धतियोंए उन्नत तकनीकों और उत्पादन बढ़ाने के प्रभावी उपायों की जानकारी देते हुए मत्स्य व्यवसाय को अधिक लाभकारी बनाने पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि सांसद जबलपुर श्री दुबे ने पुरस्कार वितरित कर उत्कृष्ट मत्स्य पालकों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री एलण्एसण श्यामए मत्स्य निरीक्षक बीण्केण सिरसाम एवं सहायक मत्स्य अधिकारी श्री विशाल शरणागत सहित जिले की विभिन्न मत्स्य सहकारी समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में मत्स्य सहकारी समिति चौरा के अध्यक्ष बघत लाल बर्मनए देवरी कला सहकारी समिति के अध्यक्ष छिद्दी लाल बर्मनए नर्मदा मत्स्य सहकारी समिति घानामार के अध्यक्ष चंद्रकांत नंदेहाए सहारा मत्स्य सहकारी समिति मर्या लाखो के अध्यक्ष कोमल सिंह तथा शिवालय मत्स्य सहकारी समिति मर्या टिकरिया के अध्यक्ष दयाराम बरमैया सहित अन्य सदस्य और अधिकारी.कर्मचारी भी मौजूद रहे।कार्यक्रम के माध्यम से मत्स्य पालकों को आधुनिक तकनीकों एवं वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी देकर मत्स्य उत्पादन बढ़ाने और आय में वृद्धि के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इससे जिले में मत्स्य पालन को नई गति मिलेगी और मत्स्य पालकों को इसका सीधा लाभ प्राप्त होगा।

बांधवगढ़ के बीहड़ों में मिला मांसाहारी वन्य जीव का कंकाल

उमरिया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से एक ऐसी खबर आ रही है, जिसने समूचे वन महकमे की रातों की नींद उड़ा दी है। मानसून के दावों और विशेष गश्त के ढोल के बीच, ताला परिक्षेत्र की अति-संवेदनशील मझखेता बीट के घने और दुर्गम जंगलों से एक खौफनाक सच सामने आया है। यहां गश्त कर रही टीम को एक मांसाहारी वन्यप्राणी का सड़-गल चुका कंकाल मिला है। वन्यजीव विशेषज्ञों ने पहली ही नजर में इसके बाघ का कंकाल होने की आशंका जताई है। इस खबर के जंगल की आग की तरह फैलते ही, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण से लेकर स्थानीय अमले तक में हडक़ंप मच गया है।

खोजी कुत्तों और मेटल डिटेक्टर से खंगाला

बांधवगढ़ प्रबंधन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, यह कंकाल 9 जुलाई को मानसूनी गश्त के दौरान मिला। जैसे ही वायरलेस पर यह खबर गूंजी, महकमे के आला अफसरों के हाथ-पांव फूल गए। आनन-फानन में क्षेत्र संचालक, उप संचालक और वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी का काफिला अमले के साथ मौके पर कूच कर गया। मामला देश के सबसे प्रतिष्ठित टाइगर रिजर्व का था, इसलिए किसी भी स्तर पर चूक की गुंजाइश नहीं थी। घटनास्थल की घेराबंदी कर बारीकी से सुराग बटोरे गए। वन विभाग ने कोई भी भौतिक साक्ष्य न छूटे, इसके लिए डॉग स्क्वाड (खोजी कुत्तों) को मैदान में उतारा और आस-पास के चप्पे-चप्पे को खंगाल डाला। यही नहीं, किसी संभावित शिकार या शिकारियों द्वारा इस्तेमाल किए गए फंदे, गोली या जाल का पता लगाने के लिए मेटल डिटेक्टर से भी जमीन की सघन जांच की गई।

एनटीसीए प्रोटोकॉल से अग्नि दाह

मौके पर पहुंचे वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी ने प्रथम दृष्टया इसे बाघ का ही कंकाल माना है। हालांकि, प्रजाति और लिंग की अंतिम मुहर वैज्ञानिक लैब की रिपोर्ट के बाद ही लगेगी। हैरान करने वाली बात यह रही कि समयाभाव और आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं का हवाला देकर शव परीक्षण (पोस्टमार्टम) और अंतिम प्रक्रिया को टाल दिया गया। गुरूवार 10 जुलाई को सुबह से ही मझखेता का जंगल छावनी में तब्दील रहा। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में एनटीसीए के कड़े मानकों और तयशुदा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कंकाल का विधिवत परीक्षण शुरू हुआ। बांधवगढ़ के वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी और ताला के सहायक पशु चिकित्सा शल्यज्ञ ने संयुक्त रूप से इस रहस्यमयी कंकाल की चीरफाड़ और जांच की। प्रजाति और लिंग का सटीक सच जानने के लिए जरूरी जैविक नमूने (डीएनए सैंपल्स) कलेक्ट किए गए। पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी और दस्तावेजीकरण कर साक्ष्यों को सील किया गया। इसके बाद, नियमों की दुहाई देते हुए इस संदिग्ध कंकाल का अग्नि दहन कर उसे राख में तब्दील कर दिया गया।

सवाल कई हैं... क्या यह वाकई प्राकृतिक मौत

अफसरों ने भले ही अपनी पीठ थपथपाते हुए बयान जारी कर दिया हो कि पूरी कार्रवाई राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों और विधिक प्रावधानों के अनुरूप हुई है, लेकिन स्थानीय गलियारों में चर्चाएं गर्म हैं। फिलहाल वन विभाग वैज्ञानिक परीक्षण की फॉरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगा कि यह कंकाल बांधवगढ़ के किसी बाघ का है या किसी अन्य मांसाहारी जीव का है। भले ही मानसून की विशेष गश्त का ढिंढोरा पीटा जा रहा हो कि इसका उद्देश्य वन्यजीवों की सुरक्षा और अवैध गतिविधियों पर नकेल कसना है, लेकिन इस घटना ने रिजर्व की सुरक्षा और सतत निगरानी के दावों पर कई गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

खबर संक्षेप

नदी में बहे युवक का शव डोभी में मिला

गुरुवार को ग्राम नांदिया बिलहरा निवासी लखन पिता पुरषोत्तम लोधी उम्र 32 वर्ष शाम के समय लगभग 05 बजे नांदिया बिलहरा से गुजरने वाली पांडाझिर नदी में नहा रहे थे कि अचानक पानी के तेज बहाव में बह गया था जिसकी पतासाजी की जा रही थी जो देर रात्रि में डोभी मेंहदा के समीप की नदी में मिला है।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर तेंदूखेड़ा पुलिस पहुंची और पंचनामा तैयार किया गया।

पिछले साल की अपेक्षा आधी वारिस दर्ज

तेंदूखेड़ा। भू संसाधन एवं प्रबंधन के अनुसार जिले में अभी तक 177.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 09 जुलाई की अवधि तक तेंदूखेड़ा क्षेत्र में 256 मिमी वर्षा आंकी गई है। जबकि पिछले साल इस अबधि तक तेंदूखेड़ा में 461 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी।

खुले पुल पर चौपायों की दस्तक

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा से गाडरवारा जाने वाले सड़क मार्ग पर नर्मदा नदी पर ककरा घाट के पुल पर चौपायों की दस्तक से बाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है। बारिश और बाढ़ के पानी के तेज बहाव को देखते हुए पुल पर लगी रेलिंग को निकाल दिया जाता है।पुल खुला हुआ है।इसी पुल पर बड़ी संख्या में निराश्रित मवेशियों की धमाचौकड़ी से आवागमन में परेशानी हुआ करती है।

विशेषज्ञ वैज्ञानिकों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

गैबियन संरचनाओं से सिंगरी बनी जल संरक्षण का मॉडलः मंत्री

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। शुक्रवार को प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सिंगरी नदी पर निर्मित गैबियन मेशनरी संरचनाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के उद्देश्य से तैयार की गई इन संरचनाओं की कार्यप्रणाली और उपयोगिता की विस्तार से जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि गैबियन संरचनाएं वर्षा जल के संचयन, मिट्टी के कटाव की रोकथाम तथा भू-जल स्तर में सुधार लाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने इन नवाचारों को ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट के स्थायी समाधान के रूप में प्रभावी बताते हुए इनके व्यापक निर्माण पर बल दिया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. योगेंद्र सक्सेना तथा प्रख्यात भू-जल वैज्ञानिक डॉ. सुनील चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे।

मंत्री श्री पटेल ने कार्यो पर जताया संतोष निरीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों ने सिंगरी नदी के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित एवं सतत बनाए रखने के साथ-साथ नदी तट पर स्थित ग्रामों एवं बसाहटों से निकलने वाले तरल अपशिष्ट के वैज्ञानिक उपचार एवं प्रबंधन के संबंध में महत्वपूर्ण तकनीकी सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि उपचारित जल को ही नदी में प्रवाहित किया जाए, जिससे नदी की स्वच्छता, जल गुणवत्ता और पारिस्थितिक संतुलन लंबे समय तक सुरक्षित रह सके। मंत्री श्री पटेल ने अपने विधानसभा क्षेत्र नरसिंहपुर के ग्राम मगरधा में सिंगरी नदी के पुनर्जीवन एवं कायाकल्प कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि महज 2-3 महीनों के अल्प समय में ही नदी का

सौंदर्यीकरण किया गया है। गंदे पानी की रोकथाम के लिए प्रभावी वाटर फिल्टर व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, साथ ही आमजन की सुगम आवाजाही के लिए पुलिया का निर्माण भी किया गया है।

सींगरी नदी को सदानीरा बनाने का प्रयास उन्होंने कहा कि सिंगरी नदी को 'सदानीरा' (वर्षभर प्रवाहमान) बनाने का यह प्रयास सामूहिक संकल्प, जनसहभागिता और दृढ़ इच्छाशक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल दर्शाती है कि समन्वित प्रयासों से किसी भी चुनौतीपूर्ण कार्य को संभव बनाया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि सिंगरी नदी पुनर्जीवन परियोजना के प्रथम चरण में ग्राम पंचायत मगरधा, रोसरा, नकटुआ, रानी पिपरिया सहित नरसिंहपुर शहर से लगे ग्रामों में नदी तटों के संरक्षण, गेबियन संरचनाओं के निर्माण तथा अपशिष्ट जल के उपचार के लिए आधुनिक शोधन इकाइयों की स्थापना का कार्य प्रगति पर है। विशेष रूप से ग्राम नकटुआ में अपशिष्ट जल के वैज्ञानिक उपचार हेतु आधुनिक ट्रीटमेंट व्यवस्था विकसित की जा रही है, जिससे नदी में प्रदूषण को प्रभावी रूप से रोका जा सके। इन प्रयासों का उद्देश्य नदी के कटाव को रोकना, जल संरक्षण को बढ़ावा देना तथा प्रदूषण मुक्त नदी तंत्र विकसित करना है।

मॉडल के रूप में विकसित होगी सींगरी नदी

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि नदियों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए जनभागीदारी, आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक और प्रभावी प्रशासनिक समन्वय का समन्वित रूप से कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिंगरी नदी पुनर्जीवन परियोजना जल संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और सतत ग्रामीण विकास की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी तथा भविष्य में यह परियोजना देश के अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में स्थापित होगी। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, रामसनेही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंद्रा वार्ड पार्षद का अनोखा प्रदर्शन, शरीर पर चिपका कर ले गए समस्याओं के चित्र

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को नगर पालिका परिषद की साधारण बैठक आयोजित की गई। बैठक में इंदिरा वार्ड के पार्षद आनंद चौरसिया शहर की विभिन्न समस्याओं के चित्र अपने शरीर पर चिपका कर बैठक में शामिल होने पहुंचे। पार्षद के विरोध के इस अनूठे तरीके ने बैठक में मौजूद सभी जनप्रतिनिधियों और नगर पालिका के अधिकारियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास किया गया। पार्षद चैरसिया ने अपने शरीर पर जर्जर सड़कों के गड्ढे, सिंगरी नदी में पसरी गंदगी, नालियों की खराब स्थिति, डिवाइडरों की बदहाली, सब्जी मंडी की अव्यवस्थाएं, कचरा प्रबंधन में लापरवाही, अधूरी सड़कें और इतवारा बाजार की गंदगी से जुड़ी तस्वीरें लगा रखी थीं। उन्होंने इसे नगर की समस्याओं को उजागर करने का एक सांकेतिक और प्रभावी प्रयास बताया। बैठक में अपनी बात रखते हुए पार्षद चैरसिया ने कहा कि नगर पालिका परिषद के चार वर्ष पूरे होने के बाद यह बैठक हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चार साल पहले की तुलना में आज शहर की स्थिति और ज्यादा खराब हो गई है। उनके मुताबिक जनता की मूलभूत समस्याओं को दूर करने के लिए नगर पालिका द्वारा कोई अपेक्षित काम नहीं किया गया है पार्षद ने कहा कि जब जनप्रतिनिधियों की आवाज जिम्मेदार अधिकारियों तक नहीं पहुंच रही है, तो शायद इन तस्वीरों के माध्यम से वे शहर की वास्तविक और बदतर स्थिति को समझ सकेंगे। उन्होंने साफ किया कि इन चित्रों के जरिए वे नगर पालिका के जिम्मेदार लोगों को विकास के दावों और जमीनी हकीकत के बीच का अंतर दिखाना चाहते हैं। बैठक में इस अनूठे प्रदर्शन की काफी चर्चा रही।

स्व. कर्नल मुशरान को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस म.प्र. शासन के पूर्व वित्त मंत्री स्व. कर्नल अजय नारायण मुशरान की पुण्यतिथि के अवसर पर एम. आई. एम. टी. कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा कर्नल मुशरान की मुक्तिधाम स्थित समाधि स्थल पर पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया। उपस्थित गणमान्य जनों एवं स्टाफ मेंबर्स द्वारा स्व. कर्नल मुशरान को पुष्पांजलि तथा एन.सी.सी. कम्पनी द्वारा सलामी दी गयी। इसके उपरान्त मौन श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। उसके उपरांत शासकीय जिला चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरण किया गया। पुष्पांजलि कार्यक्रम में पं. मैथिलीशरण तिवारी, जमना प्रसाद लोड़यि करेली, चेयरमेन इंजी. रूद्रेश तिवारी, मनोहर हींगड़े, संजय तिवारी, डॉ. अशोक कुमार गर्ग, डॉ. एस.एन. राव, जी. डी. ऊमरे, एन.सी.सी. अधिकारी ले. जितेन्द्र कुमार मिश्रा, जिला चिकित्सालय फल वितरण कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार चौधरी, डॉ. राहुल नेमा जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर, एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी द्वय चंद्रप्रकाश गुप्ता एवं श्रीमती कल्पना यादव, सहा. प्राध्यापक हेमराज सेन, मो. आशिक अली, कृष्णकांत जाटव, रीतेश मालवीय, विवेक जोशी, दिनेश पटेल, राजेश कौरव, शिव कुमार मेहरा सहित समस्त स्टाफ मेंबर्स, एन.सी.सी कैडेट्स रासेयो स्वयंसेवक एवं छात्र-छात्रों ने स्व. कर्नल मुशरान को अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनका पुण्य स्मरण किया।

10 ग्राम स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने एवं मादक पदार्थों की सप्लाई में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जा रही है। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति तिंदनी रोड नहर के पास अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेचने की फिराक में खड़ा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी के कब्जे से 1 लाख कीमत की 10 ग्राम स्मैक एवं मोबाइल जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी से स्मैक के स्रोत एवं अवैध नेटवर्क के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है।

अमृत भारत रेलवे योजना में लगा ग्रहण

उखड़ते टाइल्स एवं टूटता निर्माण कार्य

गोटेगांव। विगत कई महीनों पहले श्रीधाम रेलवे स्टेशन जो कि अमृत भारत रेलवे स्टेशन के अंतर्गत चुनी गई थी जिसमें प्लेट फॉर्म का निर्माण एवं अन्य निर्माण लगातार हो रहे थे। टाइल्स का लगाना और अन्य कई कार्य रेल विभाग द्वारा ठेकेदारी प्रथा से लगवाए गए जो कि अपनी दर्द नाक कहानी स्वयं कहने लगे हैं।कमीशन की भेंट चढ़ चुके निर्माण कार्यों की बू आने लगी है जिसको अभी एक वर्ष भी नहीं हुआ और टाइल्स उखड़ने लगे।ठेकेदारों की लापरवाही का परिणाम जनता और यात्रियों को अभी से दिखने लगा है जिससे यात्री एवं नगर की जनता अभी से कहने लगी है कि श्रीधाम स्टेशन का विकास कार्य कमीशन की भेंट चढ़ चुका है जिससे उखड़ते बिखरते टूटते टाइल्स और अन्य निर्माण कार्य स्वयं कहानी कह रहे हैं।जनता ने अनुमान लगाया कि आखिर रेल विभाग ठेकेदारों की झोली क्यों भरती है। यह विषय जो कि यात्रियों और जनता में जन चर्चा का विषय बना हुआ है।

प्लेटफॉर्म 3 की स्थिति खराब

श्रीधाम रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक तीन की स्थिति दिनों दिन बद से बदतर होती जा रही है प्लेटफॉर्म की टूटती मरम्मत और टूटते उखड़ते टाइल्स यहां वहां खिसकते दिखाई दे रहे हैं।जल्द बाजी में किया कार्य ठेकेदार की लापरवाही दर्शाता है।जिसको देखने पर कमीशन की भेंट स्पष्ट झलकती हैं।आखिर इतना अच्छा रेल विभाग करोड़ों की लागत से बनी श्रीधाम रेलवे स्टेशन पर ये सब कुछ होता रहा और विभाग इन सभी बातों से अनजान बना हुआ है करोड़ों का चूना विभाग को लगाकर कार्य में लीपापोती कर दी गई ।

वरिष्ठ अधिकारी खुद श्रीधाम स्टेशन पर निर्माण के बाद कई बार आए लेकिन उन्हें ये टूट फूट और उखड़ते टाइल्स एवं गंदगी देखने को नहीं मिली या फिर देखकर कार्य को नजर अंदाज कर दिया।आखिर माजरा क्या है ये तो रेल विभाग के वरिष्ठ और कर्तव्य निष्ठ अधिकारी ही जान सकते हैं।एक बार सिर्फ श्रीधाम रेलवे स्टेशन का जवाबदार अधिकारी बिना कोई पूर्व सूचना के छापामार कार्यशैली में प्लेटफॉर्म क्रमांक तीन और सभी तरफ का दौरा करें जिससे हकीकत पता चले।कि वास्तविकता क्या है।फिलहाल उखड़ते और टूटते टाइल्स तथा अन्य निर्माण कार्य स्वयं कहानी बयां कर रहे हैं।

बाउंड्री बाल में आईं दरारें

श्रीधाम रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक तीन में नव निर्मित बाउंड्री बाल में भी गहरी दरारें देखने को मिलने लगीं हैं जो कि स्पष्ट निर्माण में धांधली को दर्शाती हैं इसके अलावा समूचे प्लेटफॉर्म का अवलोकन करें तो कई जगह दरारें देखने को मिल सकती हैं क्या रेल विभाग के अधिकारी बैठे बैठे तनख्वाह लेते हैं या फिर समूचे रेल डिवीजन के निर्माण कार्यों की देखरेख और जांच भी करते हैं परंतु श्रीधाम स्टेशन पर निर्माण कार्यों में घोर लापरवाही बरती गई जिसे देखने कमीशन एजेंटों को समय नहीं मिल पा रहा है रेल मंत्रालय भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है होना तो यह चाहिए कि रेल विभाग ठेकेदारों से पुनः निर्माण कार्य कराए और जांच में साइन पाए जाने पर ही निर्माण कार्यों के बिलों का भुगतान हो।स्मरण हो कि निर्माण कार्य के बाद कई बार अधिकारी वर्ग श्रीधाम स्टेशन पर दौरे पर आए लेकिन उनके ये उखड़ते टाइल्स और क्रैक बाउंड्री बाल नजर नहीं आई और आई भी हो तो घटिया निर्माण कार्य को नजर अंदाज कर दिया होगा।क्योंकि सभी मिली भगत का खेल चल रहा है।रेल विभाग में बैठे जवाबदार अधिकारी इस ओर ध्यान देकर श्रीधाम स्टेशन की जांच करें।और गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराएं । रेल विभाग इस ओर ध्यान दे।

कॉलेज की हालत दयनीय जर्जर हो गया भवन

शासन को फिक्र नहीं

गोटेगांव। गोटेगांव शहर में शुमार उच्च शिक्षा का मंदिर एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर निरंजन सिंह के नाम पर निर्मित शासकीय ठाकुर निरंजन सिंह महाविद्यालय इन दिनों अपनी जर्जर व्यवस्था पर आंसू बहा रहा है।इस कॉलेज की मजेदार बात तो ये है यहां पर प्रायः सभी व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं भवन का जर्जर होना,कचरे में रखा जनरेटर कबाड़ हो रहा है स्टाफ की कमी है रंग रोगन से महरूम हो रही बिल्डिंग आदि की नगर में चर्चाएं आम होने लगीं है।1968 में यह कॉलेज पुराने

भवन में लगा करता था था अभी लगभग 20 वर्षों से नई बिल्डिंग में लगने लगा है जिसमें सभी कक्षाओं के प्रायः 1800 छात्र इस कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते हैं परंतु इस महाविद्यालय के कक्ष और सभी व्यवस्थाएं दिनोदिन चौपट होती जा रहीं हैं भवन भी शनै शनै खंडहरों में तब्दील होता जा रहा है।इस कॉलेज में अध्यापन कार्य के लिए स्टाफ की कमी भी अभी पूरी तरह बनी हुई है कम स्टाफ के कारण अध्ययन करने आने वाले छात्रों को स्टाफ के अभाव में शिक्षा ग्रहण करने में परेशानी उठानी पड़ रही है।इस कॉलेज का नया भवन निर्माण होने को चाह रहा है जिससे छात्रों के साथ कोई दुर्घटना न हो।दिनोदिन अपनी बेबसी पर यह उच्च शिक्षा का भवन नव निर्माण की बाट जोह रहा है।कोई जनप्रतिनिधि भी इस दिशा में शीघ्र ही पहल करें जिससे स्टाफ की कमी,और नव निर्मित बिल्डिंग,सभी सुविधाएं इस कॉलेज में अध्ययन कर छात्रों को उपलब्ध हों।बड़े बड़े वादे करने वाली सरकार जरा इस उच्च शिक्षा के मंदिर का भ्रमण करे तब वास्तविक सच्चाई ज्ञात होगी।ऐसा नगर के सभी विभागों में शासन के कर्तव्य निष्ट और ईमानदार स्वच्छ छवि वाले अधिकारियों का भ्रमण यदि होने लगे फिर गोटेगांव नगर तो क्या समूचे मध्यप्रदेश तकदीर और तस्वीर दोनों बदल सकती है।शासन और उच्च शिक्षा विभाग में बैठे जवाबदार मंत्री एवं अधिकारी इस ओर ध्यान दे।

एन सी सी शूटिंग का दूसरा वर्ष

गोटेगांव। नगर में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था संदीपनी विद्यालय गोटेगांव में एन सी सी शूटिंग का लगातार शानदार दूसरे गौरवशाली वर्ष आरंभ है।स्मरण हो कि नगर के गुड्डे स्थल में स्थित शासकीय संदीपनि विद्यालय गोटेगांव की एन सी सी कैडेट प्राची कनेरया पुत्री रूप नारायण कनेरया एन सी सी स्पोर्ट्स शूटिंग में विद्यालय एवं नगर का नाम रोशन करते हुए मात्र 14 वर्ष की आयु में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हेतु अपनी चुनौती पेश करेंगी।केडिट प्राची ने राज्य स्तर पर इंटर ग्रुप स्पोर्ट्स शूटिंग कॉम्पिटिशन में गोल्ड मेडल हासिल करने वाली बेस्ट कैडेट हैं और सतत प्रथम स्थान बनाए हुए हैं।स्मरण हो कि अप्रैल, मई,और जून की भीषण गर्मी में कैडेट प्राची ने अपने चार साथी सुहानी लोधी,प्राची मेहरा,प्रद्युम्न यादव और अमन सिलावट के साथ जबलपुर स्थित फायरिंग रेंज में वन एम पी एन सी सी बटालियन के निर्देशन में प्राप्त किया है।ये चारों कैडेट्स भी इंटर ग्रुप कॉम्पिटिशन हेतु 12 जुलाई से ग्वालियर में प्रतिभाग करेंगे।मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ एन सी सी डायरेक्टोरेट प्राची की आगामी प्रशिक्षण हेतु व्यक्तिगत कोच नई एवं एडवांस राइफल्स प्रदान कर रही है। गौर तलब है कि विद्यालय में पिछले सत्र 2025₹26 से ही अपने कैडेट्स को शूटिंग प्रशिक्षण हेतु भेजना प्रारंभ किया था।और लगातार दो वर्षों में विद्यालय के कैडेट्स अपनी कड़ी मेहनत से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपलब्धि दर्ज करा दी।विद्यालय में पिछले सत्र में भी एक कैडेट साक्षी लोधी ने राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का परचम फहराकर नाम रोशन किया।प्राची सहित समस्त कैडेट्स की उपलब्धियों में वन एम पी एन सी सी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल नितिन शर्मा एवं एडम आफिसर कर्नल समीर बोडास सहित समस्त बटालियन स्टाफ द्वारा प्रदान की गई प्रेरणा और प्रशिक्षण उल्लेखनीय हैं।प्राचार्य एस.के.सिसोदिया के मार्गदर्शन व विद्यालय के ऊर्जावान शिक्षकों के परिश्रम से विद्यालय ऐसी ऊंचाइयों को छू रहा है।सभी ने आशा व्यक्त की है कि संदीपनी विद्यालय का नाम देश के क्षितिज पर हमेशा चमकता रहे।

किसानों से एक करोड़ की ठगी का बड़ा खुलासा!

मंडी से मटर लेकर फरार, चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

गोटेगांव। कृषि उपज मंडी गोटेगांव में किसानों से मटर खरीदकर लगभग एक करोड़ रुपये का भुगतान नहीं करने के मामले में गोटेगांव थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार ग्राम सालीवाड़ा निवासी राजेन्द्र पटेल की शिकायत पर कार्रवाई की गई। शिकायत में बताया गया कि सदीप पटेल (नोन पिपरिया), गोपाल पटेल (नोन पिपरिया), अमित पटेल (कुर्सीवाड़ा) और मनोज उर्फ धनंजय मिश्रा (सिविल लाइन, जबलपुर) ने ₹गोपाल एण्ड कम्पनी₹ के नाम से नई मंडी गोटेगांव में फर्म संचालित कर किसानों से मटर खरीदी।

क्या है मामला?

शिकायत के अनुसार दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच आरोपियों ने किसानों से बड़ी मात्रा में मटर खरीदी, लेकिन भुगतान नहीं किया। किसान जब राशि मांगने पहुंचे तो उन्हें लगातार टालते रहे। आरोप है कि चारों ने मिलकर लगभग एक करोड़ रुपये की मटर का भुगतान किए बिना किसानों के साथ धोखाधड़ी की।

इन धाराओं में मामला दर्ज

गोटेगांव थाना में FIR क्रमांक 0453/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 316(2), 318(4) एवं 3(5) में प्रकरण दर्ज किया गया है।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों से पूछताछ की जाएगी और किसानों को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में आक्रोश का माहौल है।

CEO और AEO की उपस्थिति में पोषण वाटिका का शुभारंभ

गौशाला परिसर बना हरियाली का केंद्र 150 फलदार पौधों का रोपण

गोटेगांव। ग्राम पंचायत श्रीनगर में पर्यावरण संरक्षण एवं पोषण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गौशाला परिसर के समीप शासकीय भूमि पर ₹पोषण वाटिका₹ का शुभारंभ किया गया। जनपद पंचायत गोटेगांव के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में 150 फलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में CEO सुश्री दीक्षा जैन एवं AEO सुश्री अस्मिता अग्निहोत्री विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस दौरान 10 प्रकार के फलदार पौधे लगाए गए। अधिकारियों ने ग्रामीणों से पौधों की नियमित देखभाल करने और उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने की अपील की। उपयंत्री कुलदीप विश्वकर्मा, उपयंत्री गुप्ता जी, गौरव पट्टू बेगर, सरपंच प्रेमलाल मेहरा, पूर्व सरपंच श्रीमती मीना अग्रवाल, सचिव रीसन सेन, जीआरएस प्रदीप यादव, सखी स्व-सहायता समूह की

अध्यक्ष श्रीमती शैलजा अग्रवाल, सचिव मीना पांडे, संकुल कन्हैया, माध्यमिक शाला उमरिया के प्रभारी जसवंत सिंह पटेल, पंचायत के पंचगण एवं कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण और बेहतर पोषण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

1. 1.25 क्विंटल खरीदी सीमा अन्यायपूर्ण

महाकौशल के किसानों ने केंद्र और राज्य सरकार से लगाई गुहार

गोटेगांव। महाकौशल क्षेत्र के किसान ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की समर्थन मूल्य पर खरीदी को लेकर परेशान हैं। किसानों ने केंद्रीय कृषि मंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर खरीदी व्यवस्था में सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि फसल तैयार होने के बावजूद वर्तमान नीतियों के कारण किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं।

किसानों की प्रमुख मांगें

प्रति एकड़ खरीदी सीमा बढ़ाई जाएः वर्तमान में मूंग की खरीदी सीमा 1.25 क्विंटल प्रति एकड़ निर्धारित है, जबकि वास्तविक उत्पादन 4 से 5 क्विंटल प्रति एकड़ होता है। किसानों ने इसे बढ़ाकर न्यूनतम 5 क्विंटल प्रति एकड़ करने की मांग की है।

सुविधाजनक खरीदी केंद्र बनाए जाएंः किसानों का कहना है कि वर्तमान खरीदी केंद्र उनकी सुविधा के अनुरूप नहीं हैं, जिससे परिवहन और बिक्री में परेशानी होती है।पंजीयन से वंचित किसानों को अवसर मिलेः जिन किसानों की गिरदावरी या पंजीयन नहीं हो सका है, उनके लिए पुनः पंजीयन की तिथि घोषित की जाए।100 प्रतिशत उपार्जन की गारंटीः किसानों ने मांग की है कि मूंग एवं उड़द की पूरी उपज समर्थन मूल्य पर खरीदी जाए।किसानों ने ज्ञापन में सरकार से किसान हित में शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि समय पर खरीदी नहीं हुई तो उन्हें बिचौलियों को कम कीमत पर फसल बेचने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।